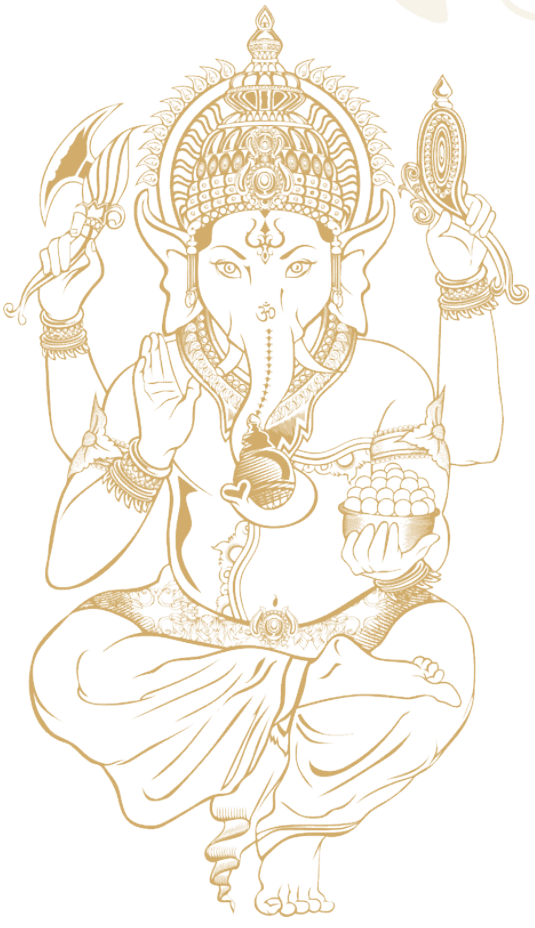

Vivek

17 Jan 1995

08:00 PM

Pratapgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121782406

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/01/1995**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**20:00:00 घंटे**
इष्ट	32:53:46 घटी
स्थान	**Pratapgarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:52:00 उत्तर
रेखांश	82:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:58:08 घंटे
वेलान्तर	-00:09:55 घंटे
साम्पातिक काल	03:44:18 घंटे
सूर्योदय	06:50:29 घंटे
सूर्यास्त	17:33:20 घंटे
दिनमान	10:42:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	03:13:07 मकर
लग्न के अंश	05:53:14 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	प्रीति
करण	कौलव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होशियार
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	05:53:14	318:23:18	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	---
सूर्य			मक	03:13:07	01:01:05	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	11:57:11	12:42:11	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	स्वराशि
मंगल	व		सिंह	07:26:49	00:11:43	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
बुध			मक	21:47:10	01:11:24	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			वृश्चि	14:06:41	00:10:48	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	16:24:31	01:02:34	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	सम राशि
शनि			कुंभ	15:44:06	00:06:03	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	17:47:44	00:13:28	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	मित्र राशि
केतु	व		मेष	17:47:44	00:13:28	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
हर्ष			मक	02:39:14	00:03:33	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप			धनु	29:24:14	00:02:16	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:12:51	00:01:32	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			वृष	04:31:59	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:29

लग्न-चलित

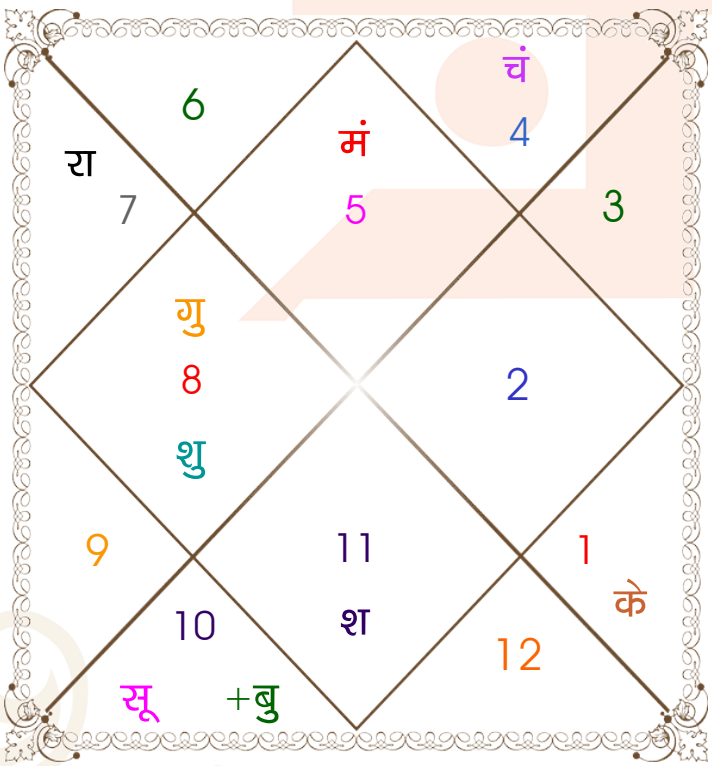

चन्द्र कुंडली

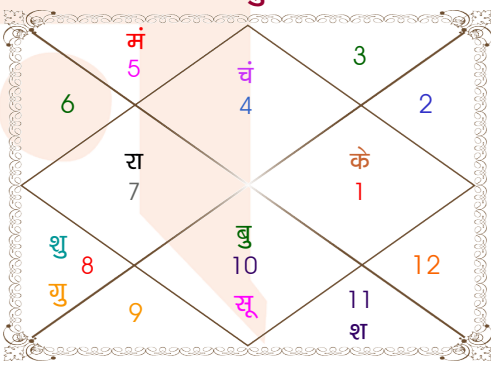

नवमांश कुंडली

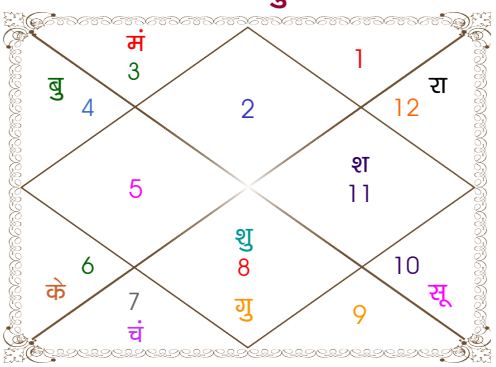

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 6 वर्ष 8 मास 18 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
17/01/1995		06/10/2001		06/10/2018		06/10/2025		06/10/2045	
06/10/2001		06/10/2018		06/10/2025		06/10/2045		06/10/2051	
	00/00/0000	बुध	03/03/2004	केतु	04/03/2019	शुक्र	04/02/2029	सूर्य	23/01/2046
	00/00/0000	केतु	01/03/2005	शुक्र	03/05/2020	सूर्य	04/02/2030	चंद्र	25/07/2046
	00/00/0000	शुक्र	30/12/2007	सूर्य	08/09/2020	चंद्र	06/10/2031	मंगल	30/11/2046
	00/00/0000	सूर्य	05/11/2008	चंद्र	09/04/2021	मंगल	05/12/2032	राहु	25/10/2047
	17/01/1995	चंद्र	06/04/2010	मंगल	05/09/2021	राहु	06/12/2035	गुरु	12/08/2048
चंद्र	10/04/1995	मंगल	04/04/2011	राहु	24/09/2022	गुरु	06/08/2038	शनि	25/07/2049
मंगल	18/05/1996	राहु	21/10/2013	गुरु	31/08/2023	शनि	06/10/2041	बुध	31/05/2050
राहु	25/03/1999	गुरु	27/01/2016	शनि	09/10/2024	बुध	06/08/2044	केतु	06/10/2050
गुरु	06/10/2001	शनि	06/10/2018	बुध	06/10/2025	केतु	06/10/2045	शुक्र	06/10/2051

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
06/10/2051		06/10/2061		05/10/2068		06/10/2086		07/10/2102	
06/10/2061		05/10/2068		06/10/2086		07/10/2102		00/00/0000	
चंद्र	06/08/2052	मंगल	04/03/2062	राहु	19/06/2071	गुरु	23/11/2088	शनि	10/10/2105
मंगल	07/03/2053	राहु	22/03/2063	गुरु	11/11/2073	शनि	06/06/2091	बुध	19/06/2108
राहु	06/09/2054	गुरु	26/02/2064	शनि	17/09/2076	बुध	11/09/2093	केतु	29/07/2109
गुरु	06/01/2056	शनि	06/04/2065	बुध	07/04/2079	केतु	18/08/2094	शुक्र	27/09/2112
शनि	06/08/2057	बुध	03/04/2066	केतु	24/04/2080	शुक्र	18/04/2097	सूर्य	09/09/2113
बुध	05/01/2059	केतु	30/08/2066	शुक्र	25/04/2083	सूर्य	04/02/2098	चंद्र	18/01/2115
केतु	06/08/2059	शुक्र	31/10/2067	सूर्य	19/03/2084	चंद्र	06/06/2099		00/00/0000
शुक्र	06/04/2061	सूर्य	06/03/2068	चंद्र	17/09/2085	मंगल	13/05/2100		00/00/0000
सूर्य	06/10/2061	चंद्र	05/10/2068	मंगल	06/10/2086	राहु	07/10/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 6 वर्ष 8 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्न में हुआ था। लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इनके प्रभाव से यह स्पष्टत सूचना मिलती है कि आप पूर्ण रूपेण सुन्दर एवं आरामदायक उत्तम जीवन व्यतीत करेंगे। जीवन क्रम में कोई गम्भीर चिन्तनीय समस्याएं उत्पन्न नहीं होगी।

आप सिंह राशीय समन्वय की परिधि में आपका समय कोलाहलपूर्ण रहेगा। आप अन्तरात्मा से साहसिक प्रवृति के प्राणी है। आपको अपनी गतिशीलता से अप्रसन्नता प्राप्ति होती है। यदि आप निर्भयता पूर्वक सच्ची लग्न से व्यवसायिक कार्य प्रारम्भ करें तो आपको उत्तम एवं सन्तोषजनक फल प्राप्त होंगे। परन्तु आपके प्रभावशाली कार्य कलाप के सम्पादन पर आपके लाभ का अधिकांश भाग किसी भी परिस्थिति में व्यय करेंगे। आप चाहते है कि आपके परिवार के लोगों का पहनावा वस्त्रादि उत्तम रहें तथा आप इन वस्तुओं पर अच्छा धन व्यय करें। जिससे आपके घरेलू रहन सहन प्रभावशाली दिखाई दे। आप अपने मित्र मण्डली के आमोद-प्रमोद एवं मिलन समारोह पर भी खूब व्यय करेंगे। आप सर्वथा धार्मिक आयोजनों पर तथा दान धर्म के कार्यो में अत्यन्त धन प्रदान करेंगे। परिणाम स्वरूप आप वृद्धावस्था में यह अनुभव करेंगे कि पूर्व में किया गया धन व्यय के कारण इस समय धन का बड़ा अभाव हुआ है। अतः इस प्रकार से अति मात्रा में धन व्यय पर नियंत्रण करें। अतः उत्तम तो यह है कि आप अपने धन की थैली का मुंह इस प्रकार नहीं खोले। मुख्यतः आपके जीवन का भाग्यशाली समय आपके 25 वर्ष की आयु से प्रारम्भ होगा।

आपको आत्म विश्वास है कि मैं धनी तथा सर्व विद्या से परिपूर्ण हूँ। आप का व्यवहार बहुत अन्धाधुंध अर्थात् दुःसाहसपूर्ण है। आप अन्य विकल्प के पूर्व अपने कार्य व्यवसाय के सम्बंध में शीघ्र निर्णय ले। अतः आपको व्यवसायिक विषयों पर अपने मित्रों तथा शुभ चिन्तकों द्वारा अच्छी परामर्श ग्रहण करने की शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। वास्तव में आपको अपने निर्णय पर किसी भी प्रकार का गम्भीरतापूर्वक सामंजस्य न करे। यदि आप अपनी मद्यपान करने की मनोवृति में बदलाव नहीं ला सके तो आपके जीवन में उच्चस्तरीय अभ्युदय युक्त विशेषतः अर्थहीन हो जाएगा।

यदि आप अपना पारिवारिक जीवन उत्तम प्रकार से व्यतीत करने के अभिलाषी हैं, तो आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति को नियंत्रित करने की अभ्यास करनी चाहिए। यदि आप अकस्मात आपने पारिवारिक सदस्यों पर कोघ्र प्रदर्शन कर अनुपयुक्त मतान्तरिक व्यवहार करते रहे तो आपका प्रसन्नतम परिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो सकता है। वास्तव में आप घरेलू जीवन का आनन्द प्राप्त कर सकते है। यथा आपकी पत्नी तथा आपकी प्यारी सन्तानें आपको हार्दिक स्नेह प्रदान कर सकते हैं बशर्ते कि आप भी उसके बदले में समान आदान प्रदान करते रहें। आपकी विपरीत योनि के प्रति जो प्रसिद्धि है, एक गम्भीर एवं चिन्तनीय है। जिस विषय पर आपको सतर्क रहना चाहिए। आपकी यह प्रवृति आपकी पत्नी को सशंकित करता है। आपको अपने जीवन संगिनी की आशंकों का विस्तारपूर्वक स्पष्टीकरण करना चाहिए। क्योंकि आप विपरीत योनि के सदस्यों द्वारा प्रसिद्ध एवं प्रभावशाली है। इसका यह अर्थ नहीं कि आप अपने

जीवन संगिनी के प्रति विश्वघात करेंगे।

आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप मुख्यतः एवं बृहत्कार कार्य कलाप करने की मनोवृति से युक्त हैं। आप अपने अधिनस्थ छोटे-छोटे कार्यों को कार्यान्वित नहीं करना चाहते हैं। आप स्थायी रूप से निगम (कारपोरेशन), कम्पनी तथा भूमि भवन-सम्बंधी कार्य बिन्दु को व्यवहृत करने के प्रति उपयुक्त है।

आप निश्चित रूप से सामान्यतया पूर्ण स्वस्थ रहेंगे। परन्तु आपको वृद्धावस्था के प्रति सावधानी बरतनी होगी क्योंकि ऐसा अवसर आ सकता है कि आपके रीढ़ की हड्डियों की परेशानी तथा हृदय सम्बंधी रोग से ग्रसित हो जाएं। आपको शराब पीने की आदत एवं अतिरिक्त भोजन करने की आदतों को त्यागना वृद्धावस्था के लिए सहायक एवं अनुकूल होगा।

आपके लिए रंग लाल, हरा एवं नारंगी रंग के वस्त्रों का उपयोग अनुकूल है। रंग काला एवं सफेद रंगों का परित्याग करना श्रेयष्कर है। आपके अनुकूल अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।